>

Title: Need to provide facilities to the Gallantry Medal Awardees of armed forces at par with Medal Awardees of Para Military forces.

श्री ए.टी. नाना पाटील (जलगांव) : आज मैं देश के एक ऐसे विषय पर मा. रक्षा मंत्री जी का ध्यान सशस्त्र सेना के सेना क्लास (सेना, नवसेना व वायुसेना मैडल) के गैलेन्ट्री मेडल व अर्धबल सेना के पुलिस गैलेन्ट्री मैंडल में दी गई सुविधाओं की असमानता की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। वरीयता के आधार पर सशस्त सेना का सेना क्लास मैडल अर्धसैनिक बलों को मिले पुलिस मैडल से दो दर्जे ऊंचा है। ऐसा भारतीय सरकार के नोटिफिकेशन में दिया है। आज की स्थिति के अनुसार पुलिस गैलेन्ट्री अवार्डी को रेलवे, इंडियन एयर लाईन्स की यात्रा में छूट की सुविधा है जो कि सशस्त्र सेना के सेना क्लास मैडल अवार्डी को अभी तक उपलब्ध नहीं हो रहा है। मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि हमारे देश में ऐसे कितने सशस्त्र सेना के सेना मैडल गैलेन्ट्री आवार्डी हैं और इन्हें कैसे दिया जाता है। यह सभी लोग अपनी जान की बाजी लगाकर देश की सेवा करते हैं और हमारी सुरक्षा के लिए अपनी जान तक गंवा बैठते हैं। इन जवानों को उनके असाधारण साहस को देखते हुए ही महामहिम राष्ट्रपति द्वारा यह आवार्ड दिया जाता है। लाखों जवानों में कुछ एक जवानों को यह अवार्ड दिया जाता है। मेरा मा0 रक्षा मंत्री जी से यह कहना है कि आप लोग जो घोषणायें या नियम बनाते हैं तो उसका पालन हो रहा है या नहीं इसका जायजा कौन लेगा। हाल ही में विजय दिवस के अवसर पर भारतीय सरकार व मीडिया द्वारा सशस्त्र सेना के कार्यो की खूब सराहना की गई। मैं मा0 रक्षा मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि पुलिस गैलेन्ट्री मैंडल आवार्डी को और सशस्त्र सेना के सेना क्लास गैलेंट्री मैंडल अवार्डी सुविधाओं में जो असमानता है उसे तुरन्त खत्म करें और इन सेना अवार्डियों को रेलवे एवं इंडियन एयर लाइंस की जो सुविधा मिलनी चाहिए उसे तत्काल दिलाने की कृपा करें। इस असमानता को दूर करने से सशस्त्र सेना के सदस्यों का यह विश्वास बढ़ेगा कि सरकार प्रशंसा करने के साथ–ही–साथ सशस्त्र सेनाओं की सुविधाओं में निरंतर बढ़ोतरी कर रही है। इसलिए मैं मा0 रक्षा मंत्री जी से पुनः आग्रह करना चाहता हूं कि मेरे निवेदन का तत्काल संज्ञान लेकर दिशा निर्देश जारी कर इन लोगों को न्याय दिलायें।